# महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

## जंगल धूसड़- गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो. : 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com


पत्रांक : .....  दिनांक: 13.02.2016

**प्रकाशनार्थ**

भारत की ज्ञान परम्परा अत्यन्त समृद्धि है। जगत जननी ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती सम्पूर्ण विश्व और मानवता की प्रतीक हैं। विश्व की उन्नति और कल्याण मार्ग भारत ही प्रदान करता रहा है। ज्ञान शक्ति का विकास करके व्यक्ति के अन्दर स्थिति विकारों का नाश किया जा सकता है। जैसे–जैसे बुद्धि उन्नति करती है उसी रूप में व्यक्ति और समाज में नैतिक मूल्य और सदाचार का वातावरण विकसित होता है। ज्ञान चिंतन के द्वारा व्यक्ति में आत्म चिंतन की प्रवृत्ति मजबूत होती है। आत्म चिंतन ही उसके व्यक्तित्व और स्वरुप को निखारने का सबसे बड़ा साधन है। समाज में समाप्त हो रहे नैतिक मूल्यों को पुर्नस्थापित करने के लिए भारत के अतीत में देवी–देवताओं द्वारा दिया गया मार्ग दर्शन महत्वपूर्ण है। आज पूरा विश्व इन्हीं मानवीय मूल्यों और नैतिकता के घोर अकाल से जूझ रहा है। वैज्ञानिक प्रगति ने मनुष्य को सुख–सुविधा तो प्रदान की है परन्तु उसके विपरीत मानवता ही आज संकट में खड़ी दिखाई दे रही है। भारत के पास ही इस कठिन और जटिल परिस्थिति का सामना करने और समाधान देने की ताकत है। यही अध्यात्म और ज्ञान–परम्परा ही वह ताकत है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में सरस्वती पूजन के अवसर पर उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कही।

इसके पूर्व विधिवत रूप से ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती का आवाहन करते हुए समाज के कल्याण के लिए प्रार्थना की गई। इस पूजन कार्यक्रम में यजमान के रूप में मनोविज्ञान विभाग की अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. अपर्णा मिश्रा सम्मिलित हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

**(डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी)**

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी